<u>उत्तर मध्य रेलवे</u>

कार्यालय जनसूचना अधिकारी
001, सरस्वती परिसर,
मुख्यालय, सूबेदारगंज,
प्रयागराज-211015
दिनांक 22.11.2021

पत्रांक: NCRLY/R/E/21/00553/2

श्री कपिल मेहरा
PA SBCO,
प्रधान डाकघर
श्रीगंगानगर (राज.)
पिन -335001

विषयः- सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मांगी गयी सूचना।

संदर्भः- आपका आनलाइनआवेदन पत्र दिनांक 01.11.2021

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत आपका आनलाइनआवेदन पत्र दिनांक 01.11.2021 इस कार्यालय में प्राप्त हुआ । आपके आवेदन पत्र में मांगी गयी इस कार्यालय से संबंधित सूचना प्राप्त की गयी। प्राप्त की गयी सूचना इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको प्रेषित की जा रही है (प्रति संलग्न)।

यदि आप उपलब्ध करायी गयी सूचना से संतुष्ट नही हैं, तो इस पत्र की प्राप्ति के 30 दिनों के अन्दर आप सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अन्तर्गत निम्न पते पर अपील कर सकते हैं-

अपीलीय अधिकारी का नाम	पदनाम	पता
श्री नवीन कुमार	वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं अपीलीय अधिकारी	सरस्वती परिसर, प्रधान कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, सूबेदारगंज, प्रयागराज - 211015

संलग्नः-यथोवत।

Digitally Signed by Mannu Prakash Dubey
Date: 23-11-2021 19:49:42
Reason: Approved

उप महाप्रबंधक एवं
अधिकारी

महाप्रबंधक, कार्यालय उत्तर मध्य रेलवे
GM, Office North Central Railway
संगम परिसर, सूबेदारगंज
Sangam Parisar, Subedarganj
प्रयागराज–211015
Prayagraj -211015

पत्र सं0:–म.प्र./उ.म.रे./जेड आर यू सी सी/आर टी आई/2016 दिनांक 18.11.2021

जन सूचना प्रकोष्ठ
उत्तर मध्य रेलवे
प्रयागराज।

विषय:- सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 5 (4) एवं 5 (5) के अन्तर्गत सूचना उपलब्ध कराने के संबंध में।

संदर्भ:- श्री कपिल मेहरा का पत्र संख्या NCRLY/R/E/21/00553/2 दिनांक 01.11.2021

****

श्री कपिल मेहरा द्वारा मांगी गयी सूचना के संबंध में सामान्य प्रशासन महाप्रबंधक कार्यालय से संबंधित मदो की सूचना निम्नवत् है:-

मद सं.	मांगी गयी सूचना	दिया जाने वाला जवाब
01	Kindly provide me detailed document of agenda along with reply of the meeting of ZRUCC members, held on 1-11-2021 at Prayagraj.	दिनांक 01-11-2021 को क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में आयोजित सदस्यों की बैठक का एजेंडा एवं अनुपालन रिपोर्ट की छायाप्रति संलग्न अनुलग्नक-(अ)

उक्त के संबंध में सक्षम अधिकारी का अनुमोदन प्राप्त है।

अनुलग्नक-(5)

81/2021/O/o DGM/G/NOR ...कर्ता परामर्शदात्री समिति, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज (सत्र 2021-2023) की प्रथम बैठक दिनांक 01.11.2021 हेतु सदस्यों से प्राप्त सुझावों की अनुपालन रिपोर्ट

क्र.सं.	सदस्यों से प्राप्त सुझाव	प्रशासनिक टिप्पणी
1.0	**श्री रामनरेश तिवारी पिंडीवासा**	
1.1	पिछले बार सत्र से मै इस सम्मानीय समिति का सदस्य हू किंतु किसी भी सत्र में संविधान के अनुसार इस समिति की बैठक नहीं हो पाई अतः उद्देश्य की पूर्ति हेतु समय से बैठक कराई जाए।	मार्च 2020 से कोविड-19 के कारण बैठक किया जाना संभव नही हो सका। आगे से सुझाव पर कार्य करने का प्रयास किया जायेगा।
1.2	यात्रियों की आवश्यकता व सुविधा को देखते हुए वर्तमान में स्टेशनों पर ए.टी.एम. का लगाना उचित प्रतीत होता है। कृपया व्यवस्था की जाए।	प्रयागराज मंडल के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों पर ATM स्थापना हेतु दिनांक 09.02.2021, 23.09.2021 को 19 स्टेशनों के 32 लोकेशन पर मैनुअल निविदा खोली गयी तथा 10.07.2021 को E-Tender के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया गया किन्तु कोई भी निविदा तिथि में पूर्ण प्राप्त नहीं हुआ। पुनः प्रयास किया जा रहा है, निविदा आमंत्रित करने का बैंकों से चर्चा की गई जिससे निविदा सफल एवं सार्थक हो सके।
1.3	बड़े स्टेशनों के बाहर हवाई अड्डों के अनुसार यात्रियों हेतु प्रीपेड टैक्सी की व्यवस्था अब आवश्यक हो गई है। विशेषकर रात्रि में यात्रियों के आगमन पर प्रयागराज स्टेशन पर वाहन सुविधा नहीं मिल पाती है।	प्रीपेड टैक्सी के संबंध में ऑनलाइन सेवा परिदाताओं से संपर्क जारी है। जिन शहरों में इनकी संख्या बढ़ेगी वहां तत्काल प्रीपेड टैक्सी की सुविधा प्रारम्भ कर दी जायेगी।
1.4	कोविड-19 महामारी के कारण वरिष्ठ नागरिकों महिलाओं को दी जाने वाली किराया में छूट पुनः बहाल होनी चाहिए तथा सैनिटाइजर कराकर बिस्तर भी दिया जाना चाहिए।	यह नीतिगत मामला है, जो कि रेल्वे बोर्ड से संबन्धित है। कोविड -19 के कारण यात्रियों को बेड रोल की आपूर्ति तथा वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं को दी जाने वाली किराया में छूट अग्रिम आदेश तक बंद है।
1.5	रेलवे के विस्तारीकरण हेतु दोहरी करण लाइन तथा विद्युतिकरण का कार्य चल रहा है यह बहुत ही प्रशंसनीय कदम है किंतु इसकी गति और तेज करने की आवश्यकता है।	इस संबंध में समय समय पर समन्वय बैठक की जा रही है। इस वित्त वर्ष में एनसीआर में पूर्ण विद्युतीकरण का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जायेगा।
1.6	कुंभ 2019 सकुशल विश्व का सबसे मेला संपन्न हो गया। इसमें भारतीय रेल विशेषकर एन.सी.आर. का विशेष योगदान रहा। मैं भी प्रयागराज मेला प्राधिकरण का सलाहकार सदस्य था तथा रेलवे से नामित अधिकारी श्री अनिल कुमार अपर रेल प्रबंधक से मिलकर स्थानीय प्रशासन से सामंजस्य स्थापित कर यह कार्य किया गया। वर्ष 2025 में प्रस्तावित महाकुंभ मेला की दीर्घकालीन योजना सरकारी स्तर पर प्रारंभ हो चुकी है। हमें भी अभी से नीति निर्धारण करना चाहिए ताकि संरक्षण, सुरक्षा, कार्य का पालन हो सके।	आपका सुझाव नोट किया गया इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा घोषणा किये जाने के उपरान्त व्यवस्था कर दी जायेगी।
1.7	अगले कुंभ के पहले नैनी स्टेशन पर भी विस्तार का सुझाव है भव्यता के साथ वेटिंग रूम, रिटायरिंग रूम आर.ओ. बी. चौड़ीकरण, टैक्सी स्टैंड आदि की व्यवस्था करनी चाहिए।	नैनी छिवकी तीसरी लाइन तथा छिवकी से दीनदयाल उपाध्याय तीसरी लाइन का कार्य किया जा रहा है जिसकी प्रगति की समीक्षा उच्च अधिकारियों द्वारा की जा रही है। कुम्भ मेला 2019 में प्लेटफॉर्म नं. 3/4 का उच्चीकरण , एफओबी, यात्री शेड इत्यादि का कार्य किया गया था। आवश्यकता अनुसार और भी कार्य किये जायेंगे। प्रीपेड टैक्सी के संबंध में ऑनलाइन सेवा परिदाताओं से संपर्क जारी है। जिन शहरो में इनकी संख्या बढ़ेगी वहां तत्काल प्रीपेड टैक्सी की सुविधा प्रारम्भ कर दी जायेगी।
1.8	छिवकी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म एक से तीन को जोड़ने वाला पुल बहुत संकरा है। मेला के समय अधिक यात्रियों की भीड़ के कारण कुछ घटना हो सकती हैं, इसका चौड़ीकरण किया जाना चाहिए। स्केलेटर लगाना वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं के साथ सामान्य यात्रियों के लिए भी सुविधाजनक होगा।	छिवकी स्टेशनों पर सकरे पुल को तोड़कर नये पुल का चौड़े पुल का निर्माण कर दिया गया है। प्लेटफार्म नंबर 1 से 3 को जोड़ने वाले फुट ओवर ब्रिज पर पहले से एक चढ़ने हेतु एस्केलेटर लगा हुआ है, एवं उतरने हेतु लगाया जा रहा है।
1.9	टिकट आरक्षण में दलालों के नेटवर्क पर बहुत हद तक नियंत्रण पा लिया गया है किंतु इस यांत्रिकी काल में बदलाव के द्वारा बदलाव के कारण अभी भी अराजक तत्व नया तरीका ढूंढ कर दलाली में लगे हैं। इस पर संपूर्ण लगाम लगाने की आवश्यकता है।	आरक्षण कार्यालय में दलालों के नेटवर्क पर अंकुश लगाने हेतु रे.सु.ब. द्वारा दलालों को चिन्हित कर उनकी धरपकड़ सुनिश्चित करते हुये रेल अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत कार्यवाही की जाती है। वर्ष 2019, वर्ष 2020 एवं वर्ष 2021 (माह सितम्बर तक) में टिकिट दलालों के विरुद्ध की गयी कार्यवाही का विवरण निम्नवत है।

वर्ष	पंजीकृत मामले	गिरफ्तार अभियुक्तों की संख्या
2021	95	99

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>
<table>
<tr><td>(सितम्बर तक)</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>2020</td><td>214</td><td>243</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>213</td><td>225</td></tr>
</table>
उत्तर मध्य रेलवे पर वाणिज्य विभाग द्वारा चलायें गये अभियान के तहत दिनांक 01.04.2021 से 30.09.2021 तक कुल 1299 केस एवं 55 दलाल पकड़ें गये है।
</td>
</tr>
<tr>
<td>1.10</td>
<td>प्रयागराज स्थिति एन.सी.आर. मंडल यहां के एन.आर. / एन.ई.आर. मंडल में संयोजक समन्वय कुंभ मेला में कराया गया था अतः पुनः मेरा सुझाव है कि रामबाग, झूसी, प्रयागघाट, संगम, प्रयाग व फाफामऊ रेलवे स्टेशनों को यदि एन.सी.आर. में सम्मिलित किया जाता है तो भविष्य में कार्य में सुगमता आएगी।</td>
<td>इस संबंध में रेलवे बोर्ड को मुख्य परिचालन प्रबन्धक , उ.म.रे के पत्रांक संख्या D-O-T-PL/ Jurisdiction / 135/NCR dated 12-06-2015 तथा महाप्रबंधक, उ.म.रे के पत्रांक संख्या T/PL/Jurisdiction/135/NCR dated 16-07-2019 के माध्यम से पत्र भेजा गया है। यह प्रकरण रेलवे बोर्ड में विचाराधीन है।</td>
</tr>
<tr>
<td>1.11</td>
<td>प्रयागराज से लखनऊ तथा नई दिल्ली स्टेशन के बीच भीड़ तथा जनसुविधा को देखते हुए शताब्दी ट्रेन चलाने की आवश्यकता है।</td>
<td>प्रयागराज -नई दिल्ली के बीच गाड़ी सं. 02417/18 प्रयागराज एक्सप्रेस स्पेशल, 02275/76 प्रयागराज -नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस स्पेशल एवं 02435/36 वाराणसी-नईदिल्ली वंदेभारत एक्सप्रेस स्पेशल की सुविधा उपलब्ध है। इन गाड़ियों में अभी भी यात्री क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त लंबी दूरी की दिल्ली जाने वाली गाड़ियों की सुविधायें भी प्रयागराज स्टेशन पर उपलब्ध हैं।
प्रयागराज - लखनऊ के बीच शताब्दी गाड़ी चलाने हेतु प्रस्ताव रेलवे बोर्ड भेजा गया है। स्वीकृति मिलने पर कार्यान्वयन किया जायेगा।</td>
</tr>
<tr>
<td>1.12</td>
<td>ट्रेनों के आगमन पर पंक्तिबद्ध तरीके से यात्रियों को प्रवेश दिया जाना चाहिए जिससे धक्का-मुक्की व किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सकता है।</td>
<td>यात्रियों के प्रवेश हेतु द्वार पर टिकट चेकिंग कर्मचारी एवं RPF के सहयोग से यात्रियों को प्रवेश कराया जाता है जिससे धक्का-मुक्की न हो एवं अधिक भीड़ के समय अतिरिक्त TTE एवं सुपरवाइजर भी मुख्य प्रवेश द्वार पर उपलब्ध रहते है। जिससे यात्रियों को सही मार्ग दर्शन दिया जाता है एवं इस सम्बन्ध में तीनों मण्डलों के महत्वपूर्ण एवं अति व्यस्त स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रे0सु0ब0 द्वारा जीआरपी एवं रेल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए यात्री सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाती है यात्री भीड़ अधिक होने की स्थिति में यात्रियों को पंक्तिबद्ध तरीके से गाड़ियों में प्रवेश दिया जाता है। कोविड 19 के दौरान अक्षरशः पालन हुआ है।</td>
</tr>
<tr>
<td>1.13</td>
<td>ट्रेनों में जहरखुरानी का केस बहुत कम हुआ है किंतु अभी भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है RPF की जवाबदेही बनती है कि प्राथमिकता के आधार पर इस पर रोक लगाई जाए।</td>
<td>जहरखुरानी के मामलों में आई0पी0सी0 328 के तहत कार्यवाही की जाती है जो कि जी0आर0पी0 के अधीन होती है। रे0सु0ब0 उ0म0रे0 द्वारा इस संबंध में प्रोएक्टिव होकर कार्यवाही किया जा रहा है। जगह-जगह पर जहरखुरानी के विरुद्ध टीम बनाकर अभियान चलाया जाता है। इसके अतिरिक्त रेल प्रशासन द्वारा समाचार पत्रों तथा एनाउन्समेंट के माध्यम से रेल यात्रियों को सावधान/जागरूक किया जाता है। इस संबंध में जी0आर0पी0 से तालमेल कर अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही निरन्तर जारी है। जिसके फलस्वरूप जहरखुरानी के मामलो में काफी कमी दर्ज की गयी है। वर्ष 2021, 2020 एवं 2019 में उ0म0रे0 के अन्तर्गत जहरखुरानी के दर्ज मामलों का तुलनात्मक विवरण निम्नवत है-
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>पंजीकृत मामले</th><th>गिरफ्तार अभियुक्तों की संख्या</th></tr>
<tr><td>2021 (सितम्बर तक)</td><td>02</td><td>01</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>06</td><td>04</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>14</td><td>12</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>1.14</td>
<td>ट्रेनों में अनिधिकृत यात्रियों पर रोक लगाना चाहिए। ट्रेन छूटने के बाद सभी दरवाजे बंद होने चाहिए तथा टी.टी.ई. को इस बात के लिए व्यक्तिगत जवाब देह बनाना चाहिए ताकि चोरी जैसी घटनाओं पर काबू पाया जा सके।</td>
<td>अनाधिकृत यात्रियों को रोकने हेतु गाड़ियों में टीटीई तथा स्पेशल स्क्वायड द्वारा समय समय पर अभियान चलाया जाता है। तथा जिसमें अप्रैल 2021 से सितम्बर 2021 के मध्य 1220 अनाधिकृति यात्रियों को पकड़ा गया जिनसे 453255रू अर्थदण्ड स्वरूप वसूला गया। एक टीटी द्वारा उच्च दर्जे के 5 कोच एवं स्लीपर के 3 कोच मैन्ड करना होता है फिर भी यथासंभव कोच के दरवाजे बंद रखने का प्रयास किया जाता है। ट्रेनों में चोरी की घटनाओं को रोकने हेतु आरपीएफ /जीआरपी स्क्वायड की व्यवस्था की गयी है।
रे0सु0ब0 द्वारा महत्वपूर्ण गाड़ियों को अनुरक्षित किया जा रहा है</td>
</tr>
</table>

	81/2021/O/o DGM/G/NCR	जिसमें तैनात स्टाफ को विभिन्न निर्देशों के साथ-साथ चलती गाड़ी में दरवाजे के बन्द होने के सम्बन्ध में यात्रियों को जागरूक करने हेतु भी निर्देशित किया जा रहा है।
1.15	ट्रेनों में टॉयलेट, बेसिन सफाई अभी भी अच्छी नहीं है। मुझे कार्य विशेष से माह फरवरी 2021 में ट्रेन संख्या 2403 दिनांक 7-3-21 हेतु आरक्षण कराकर मथुरा से प्रयागराज आ रहा था। पीएनआर संख्या 286-3173688 बर्थ बी बी 28 पर था टॉयलेट से सामने अंदर गंदगी का भरमार पानी भरा था काकोरोच टहल रहे थे मैंने टी.टी.ई. बुलाया दिखाया उन्होंने परिचय देने पर तत्काल सफाई कराया। उन्होंने बताया कि जो ट्रेन प्रयागराज से जयपुर जाता है उसी को वापस भेजा जाता है कभी-कभी सफाई नहीं हो पाती कृपया सफाई व्यवस्था की जाए।	कोच की सफाई का कार्य और स्टेशन पर किया जाता है। यह गाड़ी जयपुर से वापस सफाई होकर चलती है। यात्रा के दौरान सफाई हेतु कर्मचारी उपलब्ध रहते हैं। जो रेल मदद ऐप के माध्यम से शिकायत प्राप्त होने पर उसका निदान करते हैं। आपको हुई असुविधा के लिए हमें बेहद खेद है।
1.16	रेलवे रिटायरिंग रूम में टीवी डिस्प्ले की व्यवस्था होना चाहिए ताकि यात्रियों को ट्रेनों का संचालन का पता चल सके।	कुछ स्टेशनों के रिटायरिंग रूम में टीवी डिस्पले लगा हुआ है तथा कुछ स्टेशनों पर वेटिंग हॉल में यात्रियों के लिए टीवी डिस्प्ले /पी.ए.सिस्टम की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में ट्रेनों के आवागमन के बारे में सूचना 139 संख्या पर उपलब्ध रहती है इसका उपयोग रेलवे परिसर में रेलवे के वाई फाई द्वारा किया जा सकता है।
1.17	ट्रेनों में प्रत्येक डिब्बे में कैमरा लगा होना चाहिए ताकि दुर्घटनाओं, चोरी आदि पर नियंत्रण लगाया जा सके।	उत्तर मध्य रेलवे में प्रायोगिक तौर पर हमसफर एक्सप्रेस /दुरन्तो एक्सप्रेस में ऐसी व्यवस्था उपलब्ध कराकर इनका परिक्षण किया जा रहा है।
1.18	ट्रेनों में टिकट चेक करने के बाद टी.टी.ई. तथा बिस्तर देने के बाद अटेंडेंट डिब्बे से अन्यत्र चले जाते हैं अतः उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विशेषकर विकलांगों, महिलाओं के सुरक्षा सहायता के प्रति उनकी विशेष जिम्मेदारी होती है यात्री की एकमात्र पर विशेष जिम्मेदारी है यात्री की एक काल पर विशेष परिस्थिति में इनकी सहायता करना टी.टी.ई. की जिम्मेदारी बनती है।	टिकट चेकिंग कर्मचारियों के पास 1 से 5 कोचो की जिम्मेदारी रहती है। कोविड के कारण यात्रियों को बेड रोल की आपूर्ति अग्रिम आदेश तक बंद है। अतः महिलाओं एवं विकलांगों सहित सभी यात्रियों को सहयोग टिकट चेकिंग कर्मचारियों के द्वारा नियमित किया जाता है। इस विषय पर उन्हें समय समय पर काउन्सिल भी किया जाता है। यात्रियों की विशेष परिस्थिति में सहायता के लिए 139 तथा रेल मदद पोर्टल की सुविधा उपलब्ध है जिस पर त्वरित कार्यवाही की जाती है।
1.19	समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला कि ट्रेनों में टी.टी.ई. को मिलेगी एचीपीसियो नाभी यह एक सराहनीय कदम है।	इस संबंध में टिकट चेकिंग कर्मचारियों के द्वारा अत्यधिक निगरानी के साथ कार्य किया जा रहा है। ट्रेनों में चलने वाले सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।
1.20	कोविड-19 महामारी काल में NCR द्वारा अपने नेटवर्क का विस्तार किया गया, आर्थिक पक्ष मजबूत किया गया इसकी हम सबको मिलकर प्रशंसा करना चाहिए। हम सभी नए अध्यक्ष/ महाप्रबंधक के कार्यकाल की इस हेतु शुभ कामना करते हैं।	सादर धन्यवाद
1.21	कोविड-19 काल अभी भी समाप्त नहीं हुआ है अतः कोविड-19 का पालन कर हम सभी को रेलवे एनसीआर के कार्य को बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।	अनुपालन हेतु नोट किया गया।
2.0	श्री शिव शंकर सिंह	
2.1	New Delhi Kanpur Shatabdi stoppage (halt) train no. 12034 at Aligarh junction.	अलीगढ़ स्टेशन पर कोविड-19 प्रभाव से पूर्व नियमित गाड़ियों के संचालन के दौरान कुल 34 अप दिशा में व डाउन दिशा में 33 मेल/एक्सप्रेस एवं 13 जोड़ी गाड़ियों का ठहराव दिया गया था। वर्तमान समय में 24 अप दिशा में व 23 डाउन दिशा में स्पेशल मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव उपलब्ध है। टूण्डला-गाजियाबाद खंड की लाइन क्षमता का उपयोग 128.52 प्रतिशत हो रहा है। रेलवे बोर्ड द्वारा गाड़ियों के ठहराव के सम्बन्ध में निर्धारित नीति के अन्तर्गत 90 प्रतिशत से अधिक होने के कारण परिचालन दृष्टि से तर्कसंगत नहीं है। अतः गाड़ी संख्या 12034 नई दिल्ली-कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस स्पेशल का अलीगढ़ रेलवे स्टेशन ठहराव दिया जाना परिचालन दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है।
2.2	Rajdhani Howrah Express stoppage (halt) on both sides.	राजधानी एक्सप्रेस हाई स्पीड की महत्वपूर्ण गाड़ी होने के कारण रेलवे बोर्ड द्वारा इन गाड़ी के सीमित ठहराव प्रदान किये जाते है। ताकि लंबी दूरी के यात्रियों को समय से गन्तव्य तक पहुंचाया जाये। यह स्टेशन कानपुर-टूंडला खंड पर स्थित हैं जहाँ लाईन क्षमता उपयोग 90
2.3	Sealdah Rajdhani stoppage on both sides.	

		प्रतिशत से अधिक हो रही है। रेलवे बोर्ड के तय मानकों के तहत 90 प्रतिशत से अधिक लाईन क्षमता उपयोग वाले खंडो में अतिरिक्त ठहराव दिया जाना परिचालनिक तौर पर तर्कसंगत नहीं है। अतः गाड़ी संख्या 02301/02 नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस स्पेशल एवं 02313/14 सियालदाह-नईदिल्ली राजधानी स्पेशल का ठहराव अलीगढ़ स्टेशन पर किया जाना परिचालनिक दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है।
3.0	श्री श्याम मोहन दुबे	
3.1	झींझक स्टेशन पर करोना काल में बंद की गई 4163 संगम एक्सप्रेस का ठहराव पुनः चालू किया जाए। राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद जी जब झींझक स्टेशन आए थे तब उन्होंने रेलवे अधिकारियों से अपने संबोधन में कहा था कि झींझक में कोविड के पूर्व रुकने वाली सभी ट्रेनों के ठहराव बहाल किए जायें लेकिन अभी तक संगम एक्सप्रेस का ठहराव नहीं किया गया। जबकि यह ट्रेन 25 - 30 वर्षों से रुक रही थी।	कोविड - 19 के प्रभाव के कारण गाड़ियों का संचालन एवं उनके ठहरावों के सम्बन्ध में नीतिगत निर्णय रेलवे बोर्ड द्वारा ही लिया जा रहा है। परन्तु कोविड-19 के पूर्व इस गाड़ी का झींझक स्टेशन पर प्रतिदिन प्रतिगाड़ी यात्रियों की संख्या 2 एवं आय रू. 793/- आय होने के कारण झींझक से ठहराव समाप्त किया गया है। रेलवे बोर्ड की वर्तमान ठहराव नीति के तयमानक के अनुसार आय रू. 12717/-से रू. 24506/-से अत्यधिक कम होने के कारण गाड़ी सं. 14163 संगम एक्सप्रेस का ठहराव प्रदान करना वाणिज्यिक दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार गाड़ी सं. 12428 रीवां एक्सप्रेस (02428 स्पेशल) एवं गाड़ी सं. 05483/84 अलीपुरद्वार-दिल्ली महानन्दा एक्सप्रेस का झींझक स्टेशन पर पुनः ठहराव प्रदान कर दिया गया है।
3.2	झींझक स्टेशन पर नया पैदल पुल (SLOP WAY) बनाया जाए। वर्तमान पैदल पुल जर्जर है किसी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। वर्तमान पुराना पुल प्लेटफार्म नंबर 3 व 4 से D.F.C.लाइन की दिशा में यात्रियों के लिए नहीं है। जनहानी का सदैव खतरा बना रहता है। लोग पैदल पटरियों से निकलते हैं। जबकि इसी दिशा में नगरपालिका के झींझक के 3 वार्ड हैं।	झींझक रेलवे स्टेशन वर्तमान में एक पैदल पुल उपलब्ध है जिसके प्लेटफार्म संख्या 3 व 4 से DFCCIL लाइन की दिशा में विस्तार हेतु DFCCIL को पत्र लिखा जा चुका है। शीघ्र ही कार्यवाही अपेक्षित है।
3.3	टिकट घर को प्लेटफार्म से नीचे लाया जाए।	टिकट घर को प्लेटफार्म से नीचे सर्कुलेटींग एरिया में बनाने हेतु कार्य PH – 53 के अन्तर्गत अम्ब्रेला वर्क 2021 -22 में प्रस्तावित है जो कि वर्तमान में रेलवे बोर्ड के पास विचाराधीन है।
3.4	गुवाहाटी के लिए नई ट्रेन का ठहराव झींझक में दिया जाए यह राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद जी का गृह स्टेशन है।	रेलवे बोर्ड की पालिसी संख्या 2004 CHG –II 13 ठहराव नीति दिनांक 24.02.2016 के अनुसार किसी स्टेशन पर यात्री गाड़ी की ठहराव लागत रूपया 12717 से 24506 के मध्य होता है जबकि झींझक रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन प्रतिगाड़ी आय 4054 है। अतएव झींझक रेलवे स्टेशन पर किसी अन्य गाड़ी के ठहराव वाणिज्य औचित्य नहीं बनाता है।
3.5	झींझक नगर पालिका के रेलवे फाटक पर उपरगामी सेतु निर्धारित समय 6 माह में पूर्ण कराकर यातायात के लिए चालू कर दिया जाए। वर्तमान में 1 माह से यह फाटक बंद कर दिया गया है। कार्य धीमी गति से चल रहा है।	इस कार्य का निर्माण रोड सेफ्टी वर्क्स उत्तर मध्य रेलवे द्वारा किया जा रहा है। मार्च 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।
3.6	रूरा कस्बे में उपरीगामी सेतु बन रहा है। यह रेलवे फाटक से दोनों तरफ बराबर आबादी है। इसी रास्ते से कई जिलों के लोग कानपुर देहात मुख्यालय आते जाते हैं। यहाँ अंडरपास बनाया जाए।	रेलवे बोर्ड के नीति के तहत L.C नंबर 94 पर ROB का निर्माण, DFCCIL द्वारा कराया जा रहा है। समय समय पर समन्वय बैठकों में निर्माण कार्य का मुल्यांकन किया जा रहा है।
3.7	रूरा स्टेशन पर करोना काल में बंद की गई गाड़ियों के पुनः ठहराव दिये जायें।	रेलवे बोर्ड की ठहराव नीति के अनुसार 90 प्रतिशत से अधिक लाइन क्षमता का उपयोग होने पर ठहराव प्रदान नहीं किया जाता है। कानपुर-टूण्डला खण्ड में लाइन क्षमता का उपयोग 172.33 प्रतिशत हो रहा है। कोविड पूर्व वर्षों के दौरान गाड़ी सं. 18101 /18102 मूरी एक्सप्रेस का रूरा स्टेशन की प्रतिदिन-प्रतिगाड़ी यात्री सं. 12 रही है। अतः इस गाड़ी का ठहराव प्रदान करना परिचालनिक एवं वाणिज्यिक दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है। गाड़ी संख्या 05483 एंव 05484 महानंदा एक्सप्रेस स्पेशल दोनो दिशाओं में गाड़ी सं. 18101 /18102 मूरी एक्सप्रेस के रूरा से गुजरने के समयकाल में ही उपलब्ध है।
3.8	उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी का स्टेशन कानपुर सेंट्रल है। यहां यात्रियों को रुकने हेतु रेल यात्री निवास भवन बनाया जाए। वर्तमान समय में डोरमेंट्री रिटायरिंग रूम आदि बहुत कम और पुराने हैं।	कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन में डोरमेन्ट्री/रिटायरिंग रूम आदि उपलब्ध है। कोविड काल मे डोरमेंट्री रिटायरिंग रूम की व्यवस्था बंद थी। जिसे दिनांक . 04.10.2021 पुनः चालू कर दी गयी है। स्टेशन डवलपमेन्ट में नया भवन निर्माण का कार्य प्रस्तावित है।

181/2021/O/o DGM/G/NCR

	[illegible] पर आज तक ऊपरगामी सेतु नहीं बना है आए दिन जाम लगा रहता है।	यह मद पूर्वोत्तर रेलवे से संबंधित है इस संबंध में संबंधित रेलवे को पत्र द्वारा अवगत कराया जा रहा है।
3.10	कानपुर लखनऊ की बंद मेमू ट्रेन एवं कानपुर टूंडला ईएमयू को यात्रियों हित में अविलंब चालू कराई जाए।	वर्तमान में कानपुर - लखनऊ की 01 मेमू की जगह गाड़ी संख्या 04213 /14 कानपुर लखनऊ स्पेशल दिनांक 22.02.2021 से संचालित की जा रही है। तथा कानपुर -टूण्डला मेमू की जगह 04187/88 स्पेशल दिनांक 09.04.2021 से तथा गाड़ी संख्या 04191/92 कानपुर फफूंद स्पेशल के मध्य दिनांक 08-04.2021 में संचालित की जा रहीं है।
3.11	अलीगढ़ से बरेली जाने वाली पैसेंजर ट्रेन बरेली से अलीगढ़ आने वाली पैसेंजर 54351/ 54352 एवं 54353/ 54354 जो 2 सीटों में चलती थी अब पिछले 2 वर्षों से करोना की वजह से रद्द कर दी गई हैं। जिससे कि अलीगढ़ एवं बरेली के बीच व्यापार करने वाले करने वाले व्यापारी भाई कारीगर एवं प्रतिदिन आने वाले मजदूरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इनको यात्री हितों के लिए जल्द चालू कराया जाए।	यह गाड़ी उत्तर रेलवे की स्वामित्व की गाड़ी है। अलीगढ़ बरेली जाने वाली पैसेन्जर गाड़ी सं. 54351/54352 एवं 54353/54354 जो उत्तर रेलवे द्वारा रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार कोविड 19के दौरान रद्द कर दी गयी है। इसका संचालन पुनः उत्तर रेलवे द्वारा रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार किया जायेगा।
3.12	गाजियाबाद की लिफ्ट चालू नहीं रहती है। जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इनको जल्द से जल्द चालू कराया जाए।	यह मद उत्तर रेलवे से संबंधित है। इस संबंध में उत्तर रेलवे को पत्र लिख दिया गया है।
4	डा० नरेंद्र त्रिपाठी	
विभिन्न स्टेशनों की प्रमुख समस्याओं के संबंध में।		
4.1	फंफूद रेलवे स्टेशन पर वाहन स्टैंड की व्यवस्था की जाए।	फफूंद रेलवे स्टेशन पर पार्किंग व्यवस्था हेतु टेण्डर प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। रिजर्वप्राइज एवं नीतिगति मामलों का निर्धारण करने की कार्यवाही की जा रही है।
4.2	इटावा रेलवे स्टेशन का विस्तार व सौंदर्यीकरण कराया जाए।	दिनांक 23.10.2021 को इटावा स्टेशन पर सौन्दर्यीकरण के लिए मोनोमेंटल फ्लेग लगाया गया है। वाई फाई की सुविधा उपलब्ध है।
4.3	फंफूद रेलवे स्टेशन पर बंद पड़े आर. ओ. वाटर प्लांट को सुचारु रुप से चालू किया जाए।	पूर्व में संचालित वाटर वेंडिंग मशीन आईआरसीटीसी द्वारा संचालित की जाती थी। जिसका ठेका निरस्त कर दिया गया है। रेलवे द्वारा जल्द ही नई वाटर वेंडिंग मशीन लगाने हेतु निविदा प्रकाशित की जायेगी। आर ओ प्लांट पुनः संचालन के लिए मुख्यालय स्तर पर एसबीडी स्टैण्डर्ड बिडींग डाक्यूमेंट (Standard Bidding Document) का निर्धारण किया जा रहा है। प्रक्रिया पूर्ण होने पर शीघ्र संचालित कर दिया जायेगा।
4.4	भरथना रेलवे स्टेशन पर पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है उस पर ध्यान दिया जाए।	भरथना स्टेशन पर पानी के लिए हैण्ड पम्प लगे है और वो कार्यरत है। इसके अलावा 5000 ली. टैंक जिसका भराव समरसिबुल पम्प द्वारा होना है 45 दिन के अन्दर सुचारु रुप से करने लगेगा और इसके बाद स्टेशन पर कोई भी पानी की समस्या नही रहेगी।
4.5	ज्यादातर स्टेशनों पर लाइट लोकल सर्विस से है लोकन लाइट चली जाने पर स्टेशनों पर अंधेरा हो जाता है जिससे यात्रियों को असुविधा उत्पन्न होती है। इसलिए स्टेशनों पर वैकल्पिक लाइट उपलब्ध कराई जाए।	स्टेशनों पर लोकल सप्लाई न रहने पर वैकल्पिक रुप में मानक के अनुसार एटी सप्लाई / डीजी सप्लाई से आकस्मिक लाइट जलायी जाती है।
4.6	अछल्दा भरथना आदि स्टेशनों पर महिला एवं पुरुष शौचालयों की व्यवस्था ठीक नहीं है उसको ठीक कराई जाए।	सुझाव नोट किया गया।
4.7	फंफूद स्टेशन पर एक रुपया प्रति लीटर वाले आर. ओ पानी की व्यवस्था की जाए।	पूर्व में संचालित वाटर वेंडिंग मशीन आईआरसीटीसी द्वारा संचालित की जाती थी। आर ओ प्लाट पुनः संचालन के लिए मुख्यालय स्तर पर स्टैण्डर्ड बिडींग डाक्यूमेंट (Standard Bidding Document) का निर्धारण किया जा रहा है। प्रक्रिया पूर्ण होने पर शीघ्र संचालित कर दिया जायेगा।
4.8	फंफूद स्टेशन पर ए.टी.एम लगवाने की व्यवस्था की जाए।	फफूंद रेलवे स्टेशन पर एक ए.टी.एम.लगवाने हेतु निविदा दिनांक 23.09.2021 को खोली गयी थी जिसमे कोई भी बिड प्राप्त नहीं हुई। पुनः निविदा आमंत्रण की प्रक्रिया की जा रही है।
4.9	अछल्दा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म न04 के बाहर तक पुल की व्यवस्था की जाए क्योंकि छात्रों का आना जाना रहता है।	सुझाव नोट किया गया।

361181/2021/O/o DGM/G/NCR

	...का होने के कारण ए0सी0 प्रतीक्षालय होना चाहिए।	फफूंद स्टेशन के प्रतीक्षालय में AC लगाने की व्यवस्था की जा रही है 31 दिसम्बर तक कार्य पूर्ण हो जायेगा।
4.11	फफूंद रेलवे स्टेशन ए क्लास का होने के कारण सीसीटीवी लगाना चाहिए।	फफूंद रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरा वर्ष 2020 में लगा दिया गया है जो ठीक कार्यान्वित है।
4.12	लोकल मेमो के टॉयलेट की व्यवस्था नहीं होती है कम से कम दो या चार कोच के बीच में टॉयलेट होना चाहिए।	पुरानी डिज़ाइन के मेमो कोच में टॉयलेट का प्रावधान नहीं है। कानपुर मेमू शेड से चलाए जा रहे 3 Phase MEMU में प्रत्येक ट्रेलर कोच में 2 वायो टॉयलेट का प्रावधान किया गया है।
4.13	नया रिजर्वेशन कम बुकिंग काउंटर जो बना है उसमें जगह बहुत कम है। इतने यात्री उसमें समाहित नही हो सकते कृपया उसमें रिजर्वेशन काउंटर एवं पूछताछ केंद्र ही रखा जाए बुकिंग खिड़की अलग रखा जाए क्योंकि उसमे तीनों काउंटर एक साथ रखने में भविष्य में कोई अप्रिय घटना घटित होने का अंदेशा रहेगा। क्योंकि प्रवेश द्वार बहुत छोटा है।	पूछ ताछ आरक्षण तथा अनारक्षित टिकट हेतु कुल 06 खिड़कियाँ है जो पर्याप्त है। पंक्तियों की संख्या 20 से कम होती है अतः किसी काउंटर को हटाये जाने की आवश्यकता नहीं है।
4.14	स्टेशनों पर बंद पड़े टिकिट मशीनों को सही करवाया जाए सुचारू रूप से चलवाया जाए।	सभी यू.टी.एस.एवं पी.आर.एस. काउंटर सुचारू रूप से चल रहे है तथा ए.टी.वी.एम. से अनारक्षित टिकट जारी किया जाना प्रक्रियाधीन है।
4.15	इटावा एवं कानपुर के बीच में फफूंद रेलवे स्टेशन सबसे अधिक आय देने वाला ए श्रेणी का रेलवे स्टेशन है। यहां पर ठहराव के लिए प्रमुख गाड़ियां क्रमशः निम्नवत है।	
A	कानपुर नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस 2035, 2034 को फफूंद स्टेशन पर ठहराव दिया जाए।	फफूंद स्टेशन पर कुल 9 जोड़ी गाड़ियों का ठहराव है जिससे प्रतिदिन प्रतिगाड़ी यात्रियों की औसत संख्या 59 है तथा प्राप्त आय रूपये 7524/ मात्र है जो रेलवे बोर्ड द्वारा तय ठहराव की औचित्यता हेतु तय मानक से कम है।यह स्टेशन कानपुर-टूंडला खंड पर स्थित हैं जहाँ लाईन क्षमता उपयोग 90 प्रतिशत से अधिक हो रही है। रेलवे बोर्ड के तय मानकों के तहत 90 प्रतिशत से अधिक लाईन क्षमता उपयोग वाले खंडों में अतिरिक्त ठहराव दिया जाना वाणिज्यिक एवं परिचालनिक तौर पर तर्कसंगत नहीं है। गाड़ी सं. 02033/34 कानपुर-नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल 130 कि.मी. प्रतिघंटा की गति पर चलने वाली महत्वपूर्ण गाड़ी जो फफूंद स्टेशन से लगभग 56 कि.मी. की दूरी पर स्थित इटावा में रुकती है। गाड़ी संख्या 02419/20 लखनऊ-नई दिल्ली गोमती एक्स. स्पेशल अप में प्रातः 0851-0852 बजे तथा डाउन में सांय 1752-1753 बजे फफूंद स्टेशन पर नई दिल्ली के लिए उपलब्ध है।
B	मूरी एक्सप्रेस 18101, 18102 को फफूंद स्टेशन पर स्टॉपिज रोका गया है उसे पुनः शुरू किया जाए।	रेलवे बोर्ड की ठहराव नीति के अनुसार 90 प्रतिशत से अधिक लाइन क्षमता का उपयोग होने पर ठहराव प्रदान नहीं किया जाता है। कानपुर-टूंडला खण्ड में लाइन क्षमता का उपयोग 172.33 प्रतिशत हो रहा है। कोविड पूर्व वर्षों के दौरान गाड़ी सं. 18101 /18102 मूरी एक्सप्रेस का फफूंद स्टेशन की औसत प्रतिदिन यात्री सं. 12 रही है। अतः इस गाड़ी का ठहराव प्रदान करना परिचालनिक एवं वाणिज्यिक दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है। गाड़ी संख्या 05483 एवं 05484 महानंदा एक्सप्रेस स्पेशल दोनों दिशाओं में गाड़ी सं. 18101 /18102 मूरी एक्सप्रेस के रूट से गुजरने के समयकाल में ही उपलब्ध है।
C	लिंक एक्सप्रेस को फफूंद में स्टॉपिज जो रोका गया है उसे पुनः शुरू किया जाए।	गाड़ी सं. 04113/14 सूबेदारगंज-देहरादून स्पेशल के रूप में हाई स्पीड गति से संचालित किया जा रहा है। गाड़ी सं. 14163/64 संगम एक्सप्रेस एवं 14113/14 लिंक एक्सप्रेस में ठहराव फफूंद पर ठहराव था। परन्तु लिंक एक्सप्रेस की जगह नई गाड़ी का संचालन प्रारंभ किया गया। जिसका फफूंद स्टेशन में स्टापेज किया जाना परिचालनिक दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है। जबकि संगम एक्सप्रेस में अभी भी फफूंद स्टेशन पर ठहराव है।
D	रीवा एक्सप्रेस को फफूंद में स्टॉपिज दिया जाए।	फफूंद स्टेशन पर कुल 9 जोड़ी गाड़ियों का ठहराव है जिससे प्रतिदिन प्रतिगाड़ी यात्रियों की औसत संख्या 59 है तथा प्राप्त आय रूपये 7524/ मात्र है जो रेलवे बोर्ड द्वारा तय ठहराव की औचित्यता हेतु तय मानक से कम है। यह स्टेशन कानपुर-टूंडला खंड पर स्थित है जहाँ लाईन क्षमता उपयोग 90 प्रतिशत से अधिक हो रही है। रेलवे बोर्ड के तय मानकों के तहत 90 प्रतिशत से अधिक लाईन क्षमता उपयोग वाले खंडों में अतिरिक्त ठहराव दिया जाना परिचालनिक तौर पर तर्कसंगत नहीं है।
E	जोधपुर हावड़ा 12308,12307 को फफूंद में स्टॉपिज दिया जाए।	
F	12505,12506 फफूंद में स्टॉपिज दिया जाए।	
G	12225, 12226 कैफियात एक्सप्रेस को फफूंद में स्टॉपिज दिया जाए।	

	...का ठहराव इटावा स्टेशन पर किया जाए।	राजधानी एक्सप्रेस हाई स्पीड की महत्वपूर्ण गाड़ी होने के कारण रेलवे बोर्ड द्वारा इस गाड़ी के सीमित ठहराव प्रदान किये जाते है। ताकि लंबी दूरी के यात्रियों को समय से गन्तव्य तक पहुंचाया जाये। वर्तमान में इटावा स्टेशन पर कुल 31 जोड़ी गाड़ियों का ठहराव है। जिससे प्रतिदिन प्रतिगाड़ी यात्रियों की औसत संख्या 36 है, तथा प्राप्त आय रूपये 10,076/ मात्र है। जो रेलवे बोर्ड द्वारा तय ठहराव की औचित्यता हेतु तय मानक से कम है। यह स्टेशन कानपुर-टूंडला खंड पर स्थित हैं जहाँ लाईन क्षमता उपयोग 90 प्रतिशत से अधिक हो रही है। रेलवे बोर्ड के तय मानकों के तहत 90 प्रतिशत से अधिक लाईन क्षमता उपयोग वाले खंडों में अतिरिक्त ठहराव दिया जाना परिचालनिक तौर पर तर्कसंगत नहीं है। अतः किसी भी राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव इटावा स्टेशन पर किया जाना वाणिज्यिक एवं परिचालनिक दृष्टिकोण से औचित्यपूर्ण नहीं है।
4.17	महुआडीह एक्सप्रेस 12581, 12582 को भरथना एवं फफूंद स्टेशन पर ठहराव दिया जाए।	गाड़ी सं. 02581/82 बनारस-नई दिल्ली एक्स. स्पेशल का स्वामित्व पूर्वोत्तर रेलवे का है और त्योहार विशेष के रूप में सीमित ठहराव के साथ संचालित की जा रही है। भरथना एवं फफूंद स्टेशन पर ठहराव दिये जाने पर समयपालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। फफूंद स्टेशन पर कुल 9 जोड़ी गाड़ियों का ठहराव है जिससे प्रतिदिन प्रतिगाड़ी यात्रियों की औसत संख्या 59 है तथा प्राप्त आय रूपये 7524/ मात्र है जो रेलवे बोर्ड द्वारा तय ठहराव की औचित्यता हेतु तय मानक से कम है। यह स्टेशन कानपुर-टूंडला खंड पर स्थित हैं जहाँ लाईन क्षमता उपयोग 100 प्रतिशत से अधिक हो रही है। रेलवे बोर्ड के तय मानकों के तहत 90 प्रतिशत से अधिक लाईन क्षमता उपयोग वाले खंडों में अतिरिक्त ठहराव दिया जाना परिचालनिक तौर पर तर्कसंगत नहीं है।
4.18	फफूंद से कानपुर पैसेंजर को इटावा से कानपुर चलवाया जाए।	फफूंद से कानपुर जाने वाली 64589/90 को इटावा तक विस्तार करने का अनुमोदन रेलवे बोर्ड द्वारा प्राप्त हो गया है वर्तमान में विशेष गाड़ी का ही संचालन किया जा रहा है जब नियमित गाड़ियों का संचालन प्रारंभ होगा तो इसका विस्तार इटावा तक किया जायेगा।
4.19	इटावा से आगरा जाने वाली पैसेंजर को इटावा की जगह फफूंद से चलाया जाए।	इटावा से आगरा जाने वाली पैसेंजर गाड़ी 64157/64160 को इटावा की जगह फफूंद तक विस्तार करने का अनुमोदन रेलवे बोर्ड द्वारा प्राप्त हो गया है वर्तमान में विशेष गाड़ी का ही संचालन किया जा रहा है जब नियमित गाड़ियों का संचालन प्रारंभ होगा तो इसका विस्तार फफूंद तक किया जायेगा
4.20	महानंदा एक्सप्रेस 5483, 5482 को फफूंद स्टेशन पर ठहराव दिया जाए।	वर्तमान में गाड़ी सं. 05483/84 महानंदा एक्सप्रेस स्पेशल फफूंद स्टेशन पर रुक रही है।
5.0	**श्री विजय कुमार मिश्रा**	
5.1	अनवरगंज से मंधना रेल लाईन हटाने की आवश्यकता है।	यह मद पूर्वोत्तर रेलवे से संबंधित है। DPR रिर्पोट रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। उचित निर्देश मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।
5.2	मंधना से पनकी धाम रेलवे ट्रैक से जोड़ दिया जाए। जिस से कानपुर की जनता जाम से मुक्त हो सके।	उपरोक्त के संबंध में मंधना से पनकी धाम नई लाइन के संबंध में प्रोजेक्ट रिर्पोट एवं विस्तृत प्राक्कलन रिर्पोट रेलवे बोर्ड दिनांक 07.04.2021 को भेज दी गयी है। स्वीकृति मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।
	जूहीयार्ड नए स्टेशन के संबंध में।	
5.3	अनवरगंज स्टेशन के स्थान पर जूही स्थित जूही यार्ड में पूर्ण विकसित नया स्टेशन बनाया जाए क्योंकि जूही यार्ड में वर्तमान में 35 लाइने है, जिसमे 10- 12 लाइने मालगाड़ियों को छोड़कर बाकी लाइनों में हावड़ा दिल्ली रुट की मेल एक्सप्रेस गाड़ियां चलाई जा सकती हैं । यह गाड़ियां बिना कानपुर सेंट्रल आये हुये सीधे हावड़ा से दिल्ली वाया जूही यार्ड (नया स्टेशन) होते हुए निकल जाएंगी । इस स्टेशन का निर्माण उसी तर्ज पर किया जा सकता है, जिस तर्ज पर दिल्ली में निजामुद्दीन और आनंद विहार का निर्माण किया गया है।	DFCCIL के पूर्ण संचलन के पश्चात प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा। वर्तमान मे मालगाड़ियों के अत्यधिक दबाव के कारण इस जूही यार्ड में अभी कोई फेरबदल नही किया जा सकता।
5.4	इस नए स्टेशन के बनने से कानपुर सेंट्रल पर लगने वाले जाम से निजात मिल जाएगी। सेंट्रल स्टेशन सेंट्रल स्टेशन पर भार कम होने से ट्रेनों के समय पालन में सुधार होगा।	सुझाव नोट किया गया है।

	[illegible] पास पर्याप्त मात्रा में रेलवे के पास जमीन उपलब्ध है कोई जमीन अधिग्रहण नहीं करनी पड़ेगी और शहर का पूर्ण विकास संभव हो जाएगा।	सुझाव नोट किया गया है।
	पनकी धाम स्टेशन के संबंध में।	
5.6	रेलवे क्रॉसिंग संख्या 82 (पनकी पड़ाव) गाड़ियों की आवाजाही के कारण अधिकांश बंद रहता है, जिससे आम जनमानस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।यहां पर भूमिगत पथ (अंडर पथ) का निर्माण जनहित में अति आवश्यक है।	इस मद के संबंध में अवगत कराना है कि यहाँ TUV एक लाख से अधिक है इस कारण ROB हेतु कार्य प्रस्तावित है स्वीकृत होने पर आवश्यक कार्यवाही कि जायेगी।
5.7	पनकी धाम स्टेशन आरक्षण केंद्र की तरफ परिसर में अतिक्रमण है अतः अंधेरा रहता है उक्त स्टेशन का सुंदरीकरण किया जाए।	इस संबंध में प्रयागराज मंडल के महत्वपूर्ण एवं अति व्यस्त स्टेशनों पर जी.आर.पी. एवं रेल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्टेशन परिसर में होने वाले अतिक्रमण को हटाया जा रहा है तथा समय-समय पर अभियान चलाया जा रहा है।
	गोविंदपुरी स्टेशन के संदर्भ में।	
5.8	गोविंदपुरी स्टेशन पर कोच वाटरिंग का कार्य अतिशीघ्र कराया जाए।	वर्तमान में गोविंदपुरी स्टेशन वाटरिंग हेतु नामित नहीं है। परंतु भविष्य में पैसेंजर गाड़ियों को ध्यान में रखते हुए वाटरिंग हेतु पाईप लाइन बिछाने का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। इस कार्य को मार्च-2022 तक पूरा कर लिया जाएगा।
5.9	स्टेशन पर परिसर खानपान के स्टॉल की व्यवस्था अतिआवश्यक है।	गोविन्दपुरी रेलवे स्टेशन पर नये खानपान स्टाल के आवंटन हेतु रिजर्व प्राइज का निर्धारण किया जा चुका है, जल्द ही टेंडर प्रकाशित किये जायेंगे।
5.10	स्टेशन विश्रामालय की व्यवस्था की जाए एवं सुंदरीकरण कराया जाए।	सुझाव नोट किया गया है।
5.11	गोविंदपुरी स्टेशन व भीमसेन स्टेशन के बीच में गुजैनी एन ब्लॉक में स्टेशन बनाया जाए उक्त स्टेशनों की दूरी लगभग 12-13 किलोमीटर है। नये स्टेशन के आसपास की आबादी लाखों में है जनहित में गुजैनी में स्टेशन अतिआवश्यक है।	सुझाव की जांच की जायेगी।
5.12	दबौली वह दबौली वेस्ट के बीच में एक अंडरपास है, जिसमें 50000 लोगों का आवागमन होता है, जिससे साइकल जाम की स्थिति बनी रहती है, उक्त स्थान पर दूसरा अंडरपास बनाया जाए।	सुझाव नोट किया गया है। तकनीकी जांच के बाद कार्यवाही की जायेगी।
5.13	कानपुर से झांसी 206 किलोमीटर का दोहरीकरण का कार्य होना था, उक्त कार्य तीन खंडों में बांटा गया, जो 2018 में पूरा होना था एक खंड का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इसका अतिशीघ्र कार्य पूरा कराया जाना अतिआवश्यक है।	करोना महामारी के कारण पिछले दो वर्षों से दोहरीकरण का कार्य प्रभावित हुआ है। इसे फरवरी 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।
	कानपुर सेंट्रल स्टेशन के संबंध में।	
5.14	कानपुर सेंट्रल स्टेशन के सिटी साइड में प्रवेश का सुंदरीकरण अति आवश्यक है तथा प्रवेश द्वार पर जो दुकानें बनी हुई है, उनके बाहर ग्रिल लगाकर दिल्ली की तर्ज पर बैरीकेटिंग कर दिया जाए।	कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन के सिटी साइड का सुन्दरीकरण स्टेशन डवलपमेन्ट द्वारा प्रस्ताव विचाराधीन है शीघ्र ही ऐजेंसियों का निर्णय रेलवे बोर्ड द्वारा किया जायेगा। तदपश्चात कार्य पूर्ण किया जायेगा।
5.15	सिटी साइड पर पुल की तरफ बाउंड्रीवाल टूटी होने के कारण वहां कूड़े का बहुत जमाव रहता है, तत्काल बाउंड्री बनवाई जाए और सफाई सुनिश्चित की जाए।	बाउंड्रीवाल शीघ्र बनवा दिया जाएगा।
5.16	सिटी साइड पर रेलवे के पास बहुत अधिक जमीन खाली पड़ी है,उस पर रेलवे यात्री निवास जिडर दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जाये।	कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन के सिटी साइड का सुन्दरीकरण स्टेशन डवलपमेन्ट द्वारा प्रस्ताव विचाराधीन है शीघ्र ही ऐजेंसियों का निर्णय रेलवे बोर्ड द्वारा किया जायेगा। तदपश्चात कार्य पूर्ण किया जायेगा।
5.17	कैंट साइड पर मल्टीलेवल पार्किंग एवं आरक्षण काउंटर की आवश्यकता है, रेलवे के पास डिलाइट सिनेमा के सामने पर्याप्त मात्रा में जगह उपलब्ध है।	कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन के सिटी साइट का सुन्दरीकरण स्टेशन डवलपमेन्ट द्वारा प्रस्ताव विचाराधीन है शीघ्र ही ऐजेंसियों का निर्णय रेलवे बोर्ड द्वारा किया जायेगा। तदपश्चात कार्य पूर्ण किया जायेगा। कानपुर स्टेशन पर कैंट साइड में एक करेंट आरक्षण काउंटर है, जो 24 घंटे कार्य करता है। इसके अतिरिक्त सिटी साइड में 5 आरक्षण काउंटर है, जो प्रति शिफ्ट प्रति काउंटर आरक्षण फार्मों की संख्या के हिसाब से उपयुक्त है।
5.18	सेंट्रल रेलवे पर भूमिगत पैदल मार्ग में पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। अतः छतों से पानी रिसता है उक्त पथ पर टाइल्स लगाकर सुंदरीकरण करने की आवश्यकता है।	टाइल्स लगाने हेतु सुझाव नोट किया गया। टाइल्स लगाने की सम्भावना का परिक्षण किया जायेगा।

81/2021/O/o/DGM/G/NCR

<table>
<tr><td></td><td>...नगर,काठगोदाम, लाल कुआं प्रतिदिन ट्रेन चलाने की आवश्यकता है।</td><td>वर्तमान में कानपुर से लालकुआ, काठगोदाम हेतु निम्न गाड़ी का संचालन किया जा रहा है। राम नगर के लिए कोई गाड़ी वर्तमान में उपलब्ध नहीं है।
<table>
<tr><th>गाड़ी सं०</th><th>कानपुर - काठगोदाम</th><th>आवृत्ति</th><th>दिन</th><th>कानपुर से</th><th>लालकुआ/ काठगोदाम</th></tr>
<tr><td>04667</td><td>गरीबरथ</td><td>साप्ताहिक</td><td>मंगलवार</td><td>06:10</td><td>13:40
14:40</td></tr>
</table>
उक्त गाड़ी का संचालन पुनः 13.07.2021 से प्रारम्भ किया गया है। पिछले दो माह में कोटे का उपयोगिता का विवरण निम्न प्रकार है:
<table>
<tr><th>माह</th><th>श्रेणी</th><th>कोटा</th><th>बुक्ड यात्री</th><th>उपयोगिता %</th></tr>
<tr><td>जुलाई</td><td rowspan="2">AC-3</td><td rowspan="2">3776</td><td>735</td><td>19.49</td></tr>
<tr><td>अगस्त</td><td>1664</td><td>44.06</td></tr>
</table>
चूँकि गाड़ी में बर्थ का 100% उपयोग नहीं हो पा रहा है: अतः इसकी आवृत्ति बढ़ाने का वाणिज्य औचित्य नहीं बनता है।

गत वर्ष यह गाड़ी संख्या 12209/10 कानपुर- काठगोदाम साप्ताहिक गरीबरथ का संचालन हो रहा था जिसमें माह अप्रैल 19 में यात्री उपलब्धता 77.0 एवं 60.0% रही हैं अतः इस गाड़ी को प्रतिदिन चलाने का औचित्य नहीं बनता है।</td></tr>
<tr><td>5.20</td><td>कानपुर सेंट्रल से बरेली की साप्ताहिक ट्रेन चल रही है। अतः बरेली के लिए प्रतिदिन ट्रेन चलाने की आवश्यकता है।</td><td>वर्तमान में कानपुर से बरेली हेतु निम्न गाड़ी का संचालन किया जा रहा है।
<table>
<tr><th>गाड़ी सं०</th><th>गाड़ी का नाम</th><th>आवृति</th><th>दिन</th><th>कानपुर से</th><th>पहुँचने का समय</th></tr>
<tr><td>02191</td><td>जबलपुर– हरिद्वार स्पेशल</td><td>साप्ताहिक</td><td>गुरु</td><td>03:25</td><td>08:32</td></tr>
<tr><td>04667</td><td>कानपुर- काठगोदाम गरीब रथ</td><td>साप्ताहिक</td><td>मंगल</td><td>06:10</td><td>11:25</td></tr>
<tr><td>04693</td><td>कानपुर- जम्मूतवी स्पेशल</td><td>सप्ताह में 2 दिन</td><td>बुध, शुक्र</td><td>14:05</td><td>19:15</td></tr>
<tr><td>04145</td><td>कानपुर- अमृतसर स्पेशल</td><td>साप्ताहिक</td><td>सोम</td><td>17:50</td><td>23:04</td></tr>
</table>
चूँकि गाड़ी सप्ताह में 05 दिन गाड़ी की सुविधा उपलब्ध है। अतः प्रतिदिन गाड़ी चलाने का वाणिज्यिक औचित्य नहीं
गाड़ी संख्या 04667/68 कानपुर काठगोदाम गरीबरथ साप्ताहिक स्पेशल को प्रतिदिन किया जाना परिचालनिक दृष्टि से संभव नहीं है।</td></tr>
<tr><td>5.21</td><td>कानपुर से बांदा प्रतिदिन लोकल ट्रेन चलाने की आवश्यकता है।</td><td>वर्तमान में कानपुर से बांदा के लिए 4 जोड़ी स्पेशल गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 01802/01 कानपुर-मानिकपुर स्पेशल 05305/06 एलजेएन -जबलपुर स्पेशल 02191/92 जबलपुर फेस्टिवल स्पेशल 08203/04 कानपुर दुर्ग- स्पेशल के साथ 04109/10 कानपुर चित्रकूट स्पेशल को नियमित कर प्रतिदिन संचालित किया जा रहा है।</td></tr>
<tr><td>5.22</td><td>कानपुर लखनऊ वाया बाराबंकी प्रतिदिन पुनः ट्रेन चलाने की आवश्यकता है।</td><td>कानपुर-बाराबंकी के मध्य वर्तमान में 13 जोड़ी दैनिक एंव 10 जोड़ी अन्य गाड़ियाँ यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध हैं।</td></tr>
<tr><td>5.23</td><td>कानपुर से इटावा टूंडला प्रतिदिन लोकल ट्रेन चलाने की आवश्यकता है।</td><td>वर्तमान में कानपुर से इटावा, टूंडला के लिए 92% गाड़ियों का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 02403 एवं 03237/38- 03239/40 पटना कोटा स्पेशल का अतिरिक्त ठहराव टूंडला स्टेशन पर दिया गया है।</td></tr>
<tr><td>5.24</td><td>कानपुर और दिल्ली के बीच में चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस टूंडला स्टापेज किया जाये ।</td><td>कानपुर से दिल्ली शताब्दी गाड़ी उच्चगति की गाड़ी है। तथा इसका ठहराव रेलवे बोर्ड के द्वारा सीमित है। टूण्डला स्टेशन से नई दिल्ली</td></tr>
</table>

		क्षेत्र एवं कानपुर के लिए मेन लाइन पर कई मेल एक्सप्रेस गाड़ियां उपलब्ध है। रेलवे बोर्ड की पॉलिसी पत्र संख्या 2004/टीएनजी-II /13 ठहराव नीति दिनांक 24.02.2016 के अनुसार किसी स्टेशन पर गाड़ी के ठहराव की लागत रु 12717 /- से 24506 /- के मध्य होती है जबकि रूरा रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन प्रति गाड़ी आय रु 6152/- है। अतः रूरा स्टेशन पर ठहराव हेतु मांगी गई गाड़ी शताब्दी एक्सप्रेस का वाणिज्यिक औचित्य नहीं भी बनता है।
5.25	कानपुर देहात में रूरा रेलवे स्टेशन प्रमुख है जिसमें 3 किलोमीटर के सर्किल में दो लाख की आबादी है। रूरा रेलवे स्टेशन ने दक्षिण साइड अर्थात अपलाइन के प्लेटफार्म से दक्षिण की तरफ मेन रोड पर बाहर जाने के लिए कोई मार्ग उपलब्ध नहीं है जिससे बड़े वाहन प्लेटफॉर्म फुटओवर ब्रिज तक पहुंच सके। अतः दक्षिण साइड पर मेन रोड पर यात्रियों के लिए 6 मीटर चौड़ा मार्ग आवश्यक है।	इस संबंध में अवगत कराना है कि FOB तक पहुंचने के लिए रास्ता बना हुआ है। LC-94 से तक की सड़क DFCCIL द्वारा निर्माण किया जा रहा है।